RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 071
दि. 10.07.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

गुजरात: वडोदरा में मही नदी पर बना पुल ढहा, नौ लोगों की मौत

गुजरात के वडोदरा ज़िले में मही नदी पर बना एक पुराना पुल अचानक ढह गया. हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हुए हैं. प्रशासन ने मौके पर पहुँचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है. वडोदरा के कलेक्टर अनिल धामेलिया ने बताया कि हादसे में नौ लोगों की जान गई है और छह घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है. इस पुल का बीच का हिस्सा टूट गया. पुल का हिस्सा टूटने से कई वाहन नदी में गिर गए. घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँचीं और उन्होंने राहत अभियान शुरू किया.

पीएम मोदी को मिला नामीबिया का सर्वोच्च सम्मान, अब तक विदेश में मिले 27 अवार्ड

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नामीबिया दौरे पर हैं. इस दौरे पर उन्हें नामीबिया के सर्वोच्च सम्मान ह्यऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्वित्शिया मिराबिलिसह्ल से सम्मानित किया गया है. येसम्मान 1990 में नामीबिया की स्वतंत्रता के तुरंत बाद 1995 में स्थापित किया गया था. ताकि विशिष्ट सेवा और नेतृत्व को मान्यता दी जा सके. नामीबिया के अनोखे और प्राचीन रेगिस्तानी पौधे वेल्वित्शिया मिराबिलिस के नाम पर ये सम्मान नामीबियाई लोगों की भावना का प्रतीक है. प्रधानमंत्री मोदी को ये 27वां और इस दौरे का चौथा सम्मान मिला है.

नामीबिया के सर्वोच्च सम्मान पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ये सम्मान मेरे लिए बहुत गर्व और सम्मान की बात है. मैं नामीबिया की राष्ट्रपति, नामीबिया की सरकार और नामीबिया के लोगों का हृदय से आभार प्रकट करता हूं. इस सम्मान को मैं भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा, नामीबिया दुनिया के सबसे बड़े हीरा उत्पादकों में से एक है. इसके साथ ही भारत में सबसे बड़ा हीरा पॉलिशिंग उद्योग है. वो भी मेरे गृह राज्य गुजरात में. मुझे भरोसा है कि आने वाले समय में भारत-नामीबिया की साझेदारी भी इन हीरों की तरह चमकेगी.

हम एक-दूसरे का हाथ थामकर साथ-साथ आगे बढ़ते रहेंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और नामीबिया अपने स्वतंत्रता संग्राम के समय से एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं. दोनों देशों की दोस्ती राजनीति से नहीं बल्कि संघर्ष सहयोग और आपसी विश्वास से जन्मी है. इसे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और उज्ज्वल भविष्य के साझा सपनों ने सींचा है. आने वाले समय में भी हम एक-दूसरे का हाथ थामकर विकास पथ पर साथ-साथ आगे बढ़ते रहेंगे.

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह और मैंने वार्ता के दौरान भारत-नामीबिया संबंधों के हर पहलू की समीक्षा की. डिजिटल टेक्नोलॉजी, डिफेंस, सिक्योरिटी, एग्रीकल्चर, हेल्थ सेक्टर, एजुकेशन और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग हमारी चचाओं में प्रमुखता से शामिल रहा. प्रोजेक्ट चीता में नामीबिया द्वारा दी गई मदद के लिए आभार व्यक्त किया.

मानूसन ने जमकर बरपाया कहर, अतिवृष्टि ने जानिए कहां-कहां मचाई तबाही, फिर अलर्ट जारी

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में मानूसन की बारिश ने जमकर कहर बरपाया है। चमोली में मोक्ष नदी के उफान पर आने से कई घरों को खतरा पैदा हो गया। पिथौरागढ़ के तीजम में अतिवृष्टि ने तबाही मचाई है। ग्रामीणों ने मंगलवार देर रात बादल फटने की आशंका जताई है।

राज्य के कई जिलों में भारी बारिश के चलते आज भी अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ी इलाकों में हो रही मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। जगह-जगह भूस्खलन की घटनाएं सामने आ रही हैं। चमोली में भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्र में एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया है।

एसडीआरएफ टीम द्वारा विषम परिस्थितियों में लगभग 6 किलोमीटर की पैदल दूरी तय कर घटनास्थल पर पहुंचे। टीम द्वारा कड़ी मशक्कत कर मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर लाया गया। बीते देर रात चमोली के नंदानगर विकासखंड क्षेत्र के धुर्मा, मोख, सेंतोली, कुण्डी क्षेत्र अतिवृष्टि की घटना सामने आई है। यहां भारी बारिश से हुई अतिवृष्टि से खासा नुकसान हुआ है।

स्थानीय लोग इसे बादल फटना कह रहे हैं। अतिवृष्टि से मोक्ष नदी के समीप बसा गांव सेरा भी खतरे के जद में आ गया है। बताया जा रहा है कि सड़कें भी जगह जगह जमींदोज हो गई है। नंदानगर विकासखंड में मोक्ष नदी उफान पर आने से सेरा गांव में नुकसान की खबर है और कई घरों में पानी घुस गया। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने रात्रि में सुरक्षित स्थानों पर शरण ली।

वहीं घटना की सूचना के बाद स्थानीय प्रशासन की टीम भी मौके के लिए रवाना हुई और मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

राजस्थान के चूरू में फाइटर जेट क्रैश, दो पायलटों की मौके पर मौत

राजस्थान के चूरू जिले में बुधवार, 9 जुलाई 2025 को एक बड़ा हादसा हो गया, जब भारतीय वायुसेना का एक फाइटर जेट जगुआर रतनगढ़ तहसील के भानुदा गांव के पास क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में दो पायलटों की मौत हो गई। भारतीय वायु सेना ने कहा कि एक जगुआर प्रशिक्षक विमान आज राजस्थान के चुरू के पास एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दोनों पायलटों को गंभीर चोटें आईं। किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

यूपी: प्रदेश में एक दिन में रोपे गए 37 करोड़ पौधे, सीएम ने अयोध्या तो राज्यपाल ने बाराबंकी में किया पौधरोपण

(जीएनएस)।

यूपी में आज सुबह पौधरोपण महाभियान-2025 का शुभारंभ हो गया। एक पेड़ मां के नाम थीम पर प्रदेश में आज 37 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बाराबंकी में पौधरोपण किया। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में पौधरोपण कर लोगों से पौधों के संरक्षण की अपील की। प्रदेश में दोपहर एक बजे तक 20 करोड़ पौधे लगाए गए।

इस मौके पर अयोध्या में अभियान का शुभारंभ करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा का सामना पूरी दुनिया को करना पड़ रहा है। अमेरिका जैसे देश भी इससे सुरक्षित नहीं है। यह अनियोजित विकास का परिणाम है। ऐसे में हमें विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा करनी ही होगी। पौधरोपण अभियान अपनी मां के नाम कृतज्ञता ज्ञापित करने का मौका देता है इसलिए इस अभियान को "एक पेड़ मां के नाम" नाम दिया गया है। आज के दिन पौधरोपण कर इनकी सुरक्षा और संरक्षण के लिए काम करें।

उन्होंने कहा कि विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा करने के लिए कई तरह की तकनीक विकसित हो चुकी है। इससे पर्यावरण की रक्षा करते हुए विकास भी सुनिश्चित किया जा सकता है। इन दोनों में संतुलन बनाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 204 करोड़ पौधे रोपित किए गए हैं। इनमें से 75 फीसदी से ज्यादा पेड़ जीवित हैं। पांच लाख एकड़ क्षेत्र में प्रदेश में वन क्षेत्र बढ़ा है। अब हम हीट वेव से ग्रीन वेव की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पहले सीएम योगी ने त्रिवेणी वाटिका में नीम, पीपल और बरगद के पौधे रोपित किए।

पौधरोपण के बाद पौधों की सुरक्षा के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) फंड का इस्तेमाल होगा। बैंकों और निजी कंपनियों से रोपण क्षेत्रों को गोद लेने और पौधों की सिंचाई व सुरक्षा के लिए संसाधन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है।

कांग्रेस को ढोने के मूड में नहीं है आरजेडी, लालू यादव और तेजस्वी ने दो टूक अंदाज में कांग्रेस को सीटें काटने का अल्टीमेटम

(जीएनएस)। महागठबंधन ने मंगलवार (9 जुलाई) को बिहार बंद का आह्वान किया है। तेजस्वी यादव के साथ राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट संशोधन के विरोध में मार्च निकाला है। आरजेडी, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां मिलकर मजबूती से चुनाव लड़ने का दावा कर रही हैं। इंडिया गठबंधन भले ही एकजुट होने का दावा कर रही हो, लेकिन अंदरखाने में चल रही रस्साकशी की सुगबुगाहट सतह पर दिखने लगी है। सूत्रों के मुताबिक आरजेडी अब कांग्रेस को और ज्यादा ढोने के मूड में नहीं है। लालू यादव और तेजस्वी ने दो टूक अंदाज में कांग्रेस को 25 सीटें कम करने का अल्टीमेटम दिया है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में दबे लफ्जों में आरजेडी नेताओं ने माना था कि कांग्रेस को 70 सीटें देने की वजह से महागठबंधन जीत से दूर रही थी। कांग्रेस को महज 17 सीटों पर जीत मिली थी। दूसरी ओर कांग्रेस ने अपने कमजोर प्रदर्शन के लिए महागठबंधन के सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया था।

सूत्रों के मुताबिक, तेजस्वी यादव की कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ बातचीत चल रही है और सीट शेयरिंग के लिए लंबे स्तर पर वार्ता हो रही है। तेजस्वी यादव और आरजेडी इस बार किसी भी सूरत में बहुमत के जादुई आंकड़े तक पहुंचना चाहते हैं। इसके लिए आरजेडी ने दो टूक अंदाज में कांग्रेस से अपनी सीटें कम करने के लिए कहा है। बिहार आरजेडी के सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस को 25 सीटें छोड़ने के लिए कहा गया है। दूसरी ओर कांग्रेस के कार्यकर्ता 100 सीटों पर लड़ने का दावा करते नजर आ रहे हैं। इतना तो तय है कि इस बार सीट शेयरिंग को लेकर इंडिया गठबंधन में घमासान होने के पूरे आसार हैं।

लेफ्ट पार्टियों ने की ज्यादा सीटों की डिमांड

आरजेडी की कोशिश है कि कांग्रेस के हिस्से की सीटें कम करके लेफ्ट पार्टियों को दी जाए।

अडानी पावर ने ₹4000 करोड़ में किया विदर्भ इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण, पावर कैपेसिटी में बड़ी छलांग

अडानी पावर लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी निजी थर्मल पावर उत्पादक कंपनी है। कंपनी ने अब ₹4000 करोड़ में विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस अधिग्रहण से अडानी पावर की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 18,150 मेगावाट हो गई है, जो भारत के महाराष्ट्र के नागपुर जिले के बुटीबोरी में स्थित 2७300 मेगावाट का घरेलू कोयला-आधारित बिजली संयंत्र है। VIPL दिवाला और दिवालियापन संहिता (IBC) के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (CIRP) से गुजर रहा था। 18 जून, 2025 को, राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (NCLT) की माननीय मुंबई पीठ ने अडानी पावर की समाधान योजना को मंजूरी दी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रियल एस्टेट, होटल और पर्यटन क्षेत्र के निवेशकों संग करेंगे संवाद – शहरी विकास के नए ब्लू प्रिंट पर होगी रणनीतिक चर्चा

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में "मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव" में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों के निवेशकों से संवाद करेंगे। इस उच्चस्तरीय आयोजन में देशभर के संबंधित सेक्टर्स के निवेशकों, उद्योगपतियों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

कॉन्क्लेव में देशभर से 1500 से अधिक उद्योगपति, रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री और टूरिज्म सेक्टर से जुड़े प्रतिनिधि, निवेशक आदि शामिल होंगे। आयोजन के दौरान एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। आयोजन में क्रेडाई, होटल इंडस्ट्री, टूरिज्म, नगर निगम, आईडीए, स्मार्ट सिटी, मैट्रो, हुडको, एलआईसी, हाउसिंग बोर्ड आदि की व्यापक भागीदारी रहेगी। प्रदर्शनी में इनसे संबंधित योजनाएं व प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए जाएंगे। यह कॉन्क्लेव प्रदेश में शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आयोजन से इंदौर और मध्यप्रदेश को निवेश का नया आयाम मिलेगा।

प्रदेश में विकास और निवेश शहरी परिवहन (मेट्रो, ई-बस, मल्टीमॉडल हब), किफायती आवास, स्लम पुनर्विकास, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, सीवेज नेटवर्क, झील संरक्षण, डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस, भवन स्वीकृति प्रणाली और स्वच्छ ऊर्जा, हरित भवन, रिन्यूएबल इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। निवेशक इन क्षेत्रों में निवेश कर भविष्य में होने वाले लाभ के सहभागी हो सकते हैं।

प्रदेश में हाउसिंग सेक्टर में निवेश की अच्छी संभावना है। अफोर्डेबल हाउसिंग में 8 लाख 32 हजार से अधिक किफायती आवास तैयार किये जा चुके है। प्रदेश में 10 लाख नए आवास तैयार किये जा रहे है। इनमें 50 हजार करोड़ रुपए का निवेश होगा। रियल इस्टेट की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये प्रदेश में मानव संसाधन की गुणवत्तापूर्ण वर्क फोर्स उपलब्ध है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 6 हजार किलोमीटर सड़क, 80 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में पाईपलाइन वॉटर सप्लाई कवरेज की सुविधा और शत प्रतिशत शहरी क्षेत्र सीवरेज सिस्टम उपलब्ध है। नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय निकायों में 23 सेवाएं ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई गई है।

पप्पू यादव-कन्हैया कुमार को 'सियासी धक्का', राहुल की गाड़ी पर चढ़ने नहीं दिया गया

(जीएनएस)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ बंद बुलाया गया था। लेकिन पटना की सड़कों पर हल्लाबोल करने उतरे महागठबंधन के सिपहसालारों ने ऐसा सीन रच दिया कि असल मुद्दा पीछे छूट गया और सियासी शो-ऑफ की होड़ सुर्खियों में आ गई। बात हो रही है उस वायरल वीडियो की, जिसमें राहुल गांधी के काफिले में शामिल होने पहुंचे पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को, ठीक उसी अंदाज में रोक दिया गया, जैसे श्क्द्ध गेट पर किसी अनजान को कह दिया जाए- 'भैया, आपकी एंट्री नहीं है' जो पप्पू यादव खुद को राहुल गांधी का सबसे करीबी कहते नहीं थकते, वो गाड़ी के पास पहुंचे, लेकिन एंट्री नहीं मिली। कन्हैया कुमार, जो इंडिया गठबंधन में उम्मीद की नई किरण कहे जाते हैं, उन्हें भी हाथ जोड़ने और मुस्कुराने से ज्यादा कुछ हासिल नहीं हुआ।

यशस्वी जायसवाल ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले बने दुनिया के इकलौते ओपनर

इ८ अे३ ङ४ें१

टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। आईसीसी द्वारा जारी ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में

जायसवाल टॉप-10 में जगह बनाने वाले एकमात्र सलामी बल्लेबाज बन गए हैं। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह मौजूदा समय में वह दुनिया के पहले सलामी बल्लेबाज हैं। दुनिया के सबसे बेहतरीन ओपनिंग बल्लेबाजों की लिस्ट में अब यशस्वी जायसवाल की भी गिनती होने लगी है।

हाथी के हमले में पूर्व विधायक की मौत, मचा हड़कंप, जानिए कहां का है मामला?

(जीएनएस)।

अरुणाचल प्रदेश के तिराप ज़िले में बुधवार सुबह एक दुखद घटना में पूर्व विधायक कपचेन राजकुमार की एक हाथी के हमले में मौत हो गई। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब वह नमसांग गांव से पैदल चलते हुए देओमाली शहर की ओर जा रहे थे। वह 65 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और कई बच्चे हैं ।उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को उनके पैतृक गांव नमसांग में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने उनकी मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कपचेन राजकुमार (डंस्ल्रॢौल्ल फ्रं४ें१)का समुदाय की सेवा के प्रति समर्पण और उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, तिराप के पूर्व विधायक कपचेन राजकुमार के असमय निधन की खबर से बेहद दुखी

हूं। यह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने जिस निष्ठा से जनसेवा की, वह प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि दिवंगत विधायक के परिजनों को सहायता देने के लिए एक्स-ग्रेशिया सहायता राशि जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

कैसे हुआ हादसा?

तिराप के पुलिस अधीक्षक आदित्य ने भी घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि, यह हादसा उस समय हुआ जब पूर्व विधायक राजकुमार अपने गांव से देओमाली की ओर जा रहे थे और एक जंगली हाथी ने उन पर हमला कर दिया।

कौन थे कपचेन राजकुमार?

राजकुमार वर्ष 1985 से 1990 के बीच खोंसा उत्तर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे थे। वह 15 अप्रैल 1960 को नमसांग गांव में जन्मे थे और उनके पिता वांगमेई राजकुमार उस समय गांव के कार्यवाहक प्रमुख रहे थे। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा रामकृष्ण मिशन स्कूल, नरत्तम नगर, देओमाली से प्राप्त की थी, और आगे की पढ़ाई सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय, खोंसा से की थी। इसके बाद उन्होंने सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली से वाणिज्यिक पायलट प्रशिक्षण भी प्राप्त किया था।

सम्पादकीय

भारत-भूटान के बीच मौजूद साझा आध्यात्मिक विरासत को भविष्य की नीति और साझेदारी का बनाये आधार

भारत-भूटान के संबंधों में बौद्ध धर्म भी प्रमुख कारण है, जैसे-जैसे भारत और भूटान भविष्य की ओर बढ़ते हैं, यह जरूरी है कि वे इस साझा आध्यात्मिक विरासत को केवल अतीत की विरासत न मानें, बल्कि इसे वर्तमान और भविष्य की नीति और साझेदारी का आधार बनाएं। बौद्ध धर्म दोनों देशों के बीच वह सेतु है जो भौगोलिक सीमाओं से परे, आत्माओं को जोड़ता है। भारत-भूटान के संबंधों में बौद्ध धर्म भी प्रमुख कारण है भारत और भूटान के बीच संबंधों की नींव सिर्प राजनीतिक या भौगोलिक नहीं, बल्कि एक गहरी आध्यात्मिक विरासत पर भी आधारित है। बौद्ध धर्म, जो 6वीं शताब्दी ईंसा पूर्व में भारत में जन्मा, भूटान में 8वीं शताब्दी में गुरु पासंभव (गुरु रिनपोछे) के माध्यम से पहुंचा। उन्होंने वहां वज्रयान परंपरा की शुरूआत की, जो आज भूटान की आध्यात्मिक और सांस्वृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। नागार्जुन और शांत रक्षित जैसे महान बौद्ध विद्वानों की शिक्षाएं भूटानी बौद्ध मठों में आज भी जीवित हैं। बोधगया जैसे पवित्र स्थल आज भी हजारों भूटानी तीर्थयात्रियों को आर्कषित करते हैं। आज के समय में, बौद्ध धर्म सिर्प अतीत की स्मृति नहीं बल्कि भारत और भूटान के बीच जीवंत वूटनीतिक संबंधों का आधार बन गया है। इसका उदाहरण है बोधगया स्थित रॉयल भूटान मठ, जो भूटान की ओर से भारत को एक आध्यात्मिक उपहार है। यह स्थान हजारों भूटानी तीर्थयात्रियों के लिए शांति का वेंद्र है। इसी तरह, भूटान की गेलेपू माइंडपुलनेस सिटी परियोजना, जो आध्यात्मिकता और आधुनिकता को जोड़ती है, भारत की नीति और समर्थन से आगे बढ़ रही है। भारत ने भूटान को झाबद्रुंग न्गवांग नामग्याल की पवित्र प्रतिमा भी अस्थायी रूप से प्रदान की, जो कोलकाता की एशियाटिक सोसाइटी में संरक्षित थी। यह कदम भूटान की धरमिक पहचान के लिए भारत के सम्मान को दशार्ता है। इसके साथ ही, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ में भूटान की भागीदारी यह दिखाती है कि दोनों देश शांति और स्थिरता को साझा बौद्ध मूल्यों के जरिए बढ़ावा देना चाहते हैं। शैक्षिक और बौद्धिक स्तर पर भी यह साझेदारी बेहद गहरी है। नेहरू-वांगचुक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत हजारों भूटानी छात्र भारत में उच्च शिक्षा प्रप्त कर रहे हैं, खासकर बौद्ध अध्ययन, संस्वृत और धर्मशास्त्र के क्षेत्र में। नालंदा विश्वविद्यालय, जिसे अब दोबारा स्थापित किया गया है, भूटानी छात्रों के लिए बौद्ध विचार और वैश्विक विमर्श का वेंद्र बन गया है। ये छात्र केवल ज्ञान र्अजित नहीं करते, बल्कि वे भावी नेतृत्व की नींव भी रखते हैं। भारत और भूटान की सांस्वृतिक वूटनीति को भी बौद्ध धर्म ने नई ऊर्जा दी है। भारत में आयोजित भूटान सप्ताह जैसे कार्यामों में भूटानी संस्वृति की झलक देखने को मिलती नृत्य, थांगका चित्रकला और बौद्ध भिक्षुओं की शिक्षाएं। बुद्ध परूणिमा का संयुत्त उत्सव दोनों देशों को भत्ति और ध्यान के साझा अनुभव में जोड़ता है, जिससे आम नागरिक भी इस आध्यात्मिक जुड़ाव का अनुभव कर पाते हैं। रणनीतिक स्तर पर, भारत की नेबरहुड फर्स्ट और एक्ट ईंस्ट नीतियां भूटान के सकल राष्ट्रीय खुशहाली मॉडल के अनुरूप हैं। दोनों ही देश शांति, संतुलन और सहयोग को प्रथमिकता देते हैं। शिक्षा, संस्वृति, पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में संयुत्त परियोजनाएं भारत-भूटान सहयोग को मानवीय और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से समृद्ध बनाती हैं। यह साझी विरासत अतीत में अटकी नहीं है, बल्कि यह वर्तमान को जीवंत बनाती है। तीर्थ यात्राएं, राजनयिक दौरे और शिक्षा कार्याम इस संबंध को नई पीढ़ियों तक ले जा रहे हैं। भूटान ने भारत के साझा बौद्ध विरासत कार्यव्रमों में सव्रिय भागीदारी निभाई है। झाबद्रुंग प्रतिमा का त्रण और घ्ञ् के अंतर्गत सहयोग बौद्ध वूटनीति को सार्थक बनाते हैं। हालांकि, इस साझेदारी की प्रमाणिकता बनाए रखना भी जरूरी है। दोनों देशों को चाहिए कि वे आध्यात्मिकता को केवल प्रतीकात्मकता में सीमित न करें। खासकर जब चीन जैसे देश भी बौद्ध धर्म के माध्यम से क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं, तब भारत और भूटान को अपनी साझेदारी को सच्चाई और ईंमानदारी पर आधारित रखना होगा।

महाराष्ट्र में महाअघाड़ी गठबंधन में टूट! क्या कांग्रेस अकेले दम पर लड़ेगी निकाय चुनाव? मिले संकेत

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में जल्द ही निकाय चुनाव होने वाले हैं और इससे पहले विपक्ष महाअघाड़ी गठबंधन में बड़ी टूट नजर आ रही है। बीस साल बाद एक मंच पर आए ठाकरे ब्रदर्स के विजय रैली कार्यक्रम से कांग्रेस ने दूरी बनाए रखी। जिसके बाद से ही कांग्रेस पार्टी की रणनीति को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। लगातार सवाल उठ रहा है कि क्या कांग्रेस महाराष्ट्र निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी?

इन सभी सवालों के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने एक ऐसा बयान दिया है जिसने महाराष्ट्र की राजनीति में नए बदलाव के संकेत दिए हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने ऐसा बयान दिए है जिससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि महाराष्ट्र का आगामी निकाय चुनाव कांग्रेस अकेले दम पर लड़ सकती है।

मीडिया को दिए इंटरव्यू में चव्हाण ने कहा, "कांग्रेस पार्टी का रुख यह है कि हमारा गठबंधन हमारे इंडिया गठबंधन के सहयोगियों - शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) के साथ है। अगर वे किसी अन्य पार्टी, समान विचारधारा वाली पार्टी के साथ उप-गठबंधन करना चाहते हैं, तो यह उनका मामला है।"

क्या है राज ठाकरे वजह?

पृथ्वीराज चव्हाण ने राज ठाकरे की तरफ इशारा करते हुए कहा,

"अगर गठबंधन के साथी ऐसे लोगों के साथ गठबंधन करना चाहते हैं जो मूल रूप से कांग्रेस की विचारधारा, धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा और अंबेडकर ने संविधान में जो लिखा है उसकी विचारधारा का विरोध करते हैं, तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे।"

पृथ्वीराज चव्हाण बोले- तो आश्चर्य नहीं होगा

पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि पहले भी हमने स्थानीय निकाय चुनाव अलग से लड़े हैं, और मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर कांग्रेस पार्टी निकाय (समिति) मुंबई, पुणे, नागपुर के चुनावों के लिए अलग से जाने का फैसला करती है।

कांग्रेस और ठाकरे परिवार

गौरतलब है कि 5 जुलाई को शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे लगभग 20 साल बाद एक मंच पर साथ दिखाई दिए थे। इस मौके पर एनसीपी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले भी मौजूद थीं, लेकिन कांग्रेस ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। कांग्रेस और एमएनएस के बीच पुरानी अदावत रही है। इसके बाद एमएनएस के एक मार्च में भी कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल नहीं हुए, जबकि एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता इसमें शामिल हुए थे।

राज ठाकरे की एंट्री से महाविकास अघाड़ी में टूट

बता दें कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) महाविकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा हैं। तीनों पार्टियों ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़े थे, लेकिन अब राज ठाकरे की एंट्री ने एमवीए के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

फाइटर जेट : इस साल धड़ाधड़ क्यों हो रहे क्रैश? 7 माह में 3 जेगुआर के उड़े परखच्चे! लिस्ट में मिराज भी

(जीएनएस)।

भारतीय वायुसेना (IAF) के लिए 2025 का साल मुश्किलों भरा रहा है, क्योंकि इस साल अब तक पांच बड़े विमान हादसे हो चुके हैं, जिनमें 3 जगुआर फाइटर जेट और एक मिराज-2000 शामिल हैं। ताजा हादसा राजस्थान के चूरू जिले में हुआ, जहां 9 जुलाई को एक जगुआर फाइटर जेट रतनगढ़ के भानुदा गांव के पास खेतों में क्रैश हो गया।

इस हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई। मलबे और मानव अवशेष खेतों में बिखरे मिले, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। इन हादसों ने वायुसेना के पुराने विमानों की सुरक्षा और रखरखाव पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आइए एक नजर डालते हैं 7 माह में 5 फाइटर जेट क्रैश...

2025 䑳ी१ खी३ उ१ंर्ीर छर३

1. मिराज-2000 - शिवपुरी, मध्य प्रदेश (6 फरवरी 2025)

मिराज-2000 का ट्विन-सीटर ट्रेनर विमान ग्वालियर एयरबेस से प्रशिक्षण उड़ान के दौरान शिवपुरी के पास क्रैश हो गया। प्रारंभिक जांच में सिस्टम खराबी को कारण बताया गया। दोनों पायलट समय पर इजेक्ट कर सुरक्षित बच गए। वायुसेना ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की।

2. जगुआर - अंबाला, हरियाणा (7 मार्च 2025)

अंबाला एयरबेस से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही एक जगुआर फाइटर जेट पंचकुला के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तकनीकी खराबी के कारण हुए इस हादसे में पायलट सुरक्षित इजेक्ट कर लिया। स्थानीय ग्रामीणों ने पायलट को पैराशूट से उतरने में मदद की।

3. एएन-32 - बागडोगरा, पश्चिम बंगाल (7 मार्च, 2025)

उसी दिन बागडोगरा एयरबेस में एक एएन-32 ट्रांसपोर्ट विमान क्रैश-लैंडिंग का शिकार हुआ। कारण स्पष्ट नहीं हुआ, लेकिन चालक दल सुरक्षित रहा।

4. जगुआर - जामनगर, गुजरात (2 अप्रैल 2025)

रात के प्रशिक्षण मिशन के दौरान जामनगर के सुवरदा गांव के पास एक ट्विन-सीटर जगुआर विमान क्रैश हो गया। तकनीकी खराबी के कारण दोनों पायलटों ने इजेक्ट किया, लेकिन फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव की मौत हो गई, जबकि ग्रुप कैप्टन मनीष कुमार सिंह घायल हो गए।

5. जगुआर - चूरू, राजस्थान (9 जुलाई 2025)

चूरू के भानुदा गांव में एक जगुआर ट्विन-सीटर ट्रेनर विमान खेतों में क्रैश हो गया। तेज धमाके के साथ विमान में आग लग गई और मलबा बिखर गया। कम से कम एक पायलट की मौत की पुष्टि हुई है, और एक अन्य की तलाश जारी है। जांच शुरू हो गई है।

क्यों हो रहे हैं बार-बार हादसे?

2025 में 7 महीनों में पांच बड़े

हादसों ने भारतीय वायुसेना के पुराने बेड़े की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। हादसों के पीछे की वजह क्या? रिपोर्ट्स के अनुसार...

1. पुराने विमानः

जगुआर फाइटर जेट, जो 1970 के दशक में भारतीय वायुसेना में शामिल किए गए थे, अब 45 साल पुराने हो चुके हैं। दुनिया भर में ब्रिटेन, फ्रांस, ओमान, नाइजीरिया और इक्वाडोर जैसे देशों ने इन विमानों को रिटायर कर दिया है, लेकिन भारत अभी भी 120 जगुआर विमानों का संचालन कर रहा है। इनके रखरखाव और स्पेयर पार्ट्स की कमी एक बड़ी समस्या है।

2. तकनीकी खराबीः

इस साल के अधिकांश हादसों में तकनीकी खराबी को प्राथमिक कारण बताया गया है। उदाहरण के लिए, अंबाला, जामनगर, और शिवपुरी के हादसों में सिस्टम फेल्योर की बात सामने आई। पुराने विमानों के इंजन और सिस्टम आधुनिक जरूरतों के हिसाब से कमजोर पड़ रहे हैं।

3. रखरखाव और लॉजिस्टिक्स की चुनौतियांः

भारतीय वायुसेना सात अलग-अलग प्रकार के फाइटर जेट्स (सु-30, मिग-29, मिराज-2000, राफेल, जगुआर, मिग-21, और तेजस) का संचालन करती है, जिससे रखरखाव और मरम्मत एक जटिल चुनौती बन गई है। जगुआर के लिए स्पेयर पार्ट्स की कमी, खासकर तब जब ब्रिटेन और फ्रांस ने 1980 के दशक में इनका उत्पादन बंद कर दिया था, स्थिति को और गंभीर बनाती है।

4. मानवीय त्रुटि और प्रशिक्षणः

संसद की रक्षा समिति की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, 2017-2022 के बीच 54% हादसे मानवीय त्रुटियों के कारण हुए। हालांकि, हादसों की दर 0.93 (2000-2005) से घटकर 0.20 (2020-2024) हो गई है, फिर भी प्रशिक्षण और सिमुलेशन की कमी एक मुद्दा है।

5. आधुनिकीकरण में देरीः

जगुआर को तेजस एमके-1ए से बदलने की योजना थी, लेकिन देरी के कारण ये पुराने विमान अभी भी उपयोग में हैं। वायुसेना के पास 31 स्क्वाड्रन हैं, जबकि स्वीकृत संख्या 42 है, जिससे पुराने विमानों पर निर्भरता बढ़ जाती है।

क्या है वायुसेना का जवाब?

हर हादसे के बाद वायुसेना ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की है, जो तकनीकी खराबी, मानवीय त्रुटि, और अन्य कारकों की जांच कर रही है। वायुसेना ने जगुआर विमानों को डीएआरआईएन-क्क्क अपग्रेड और नए इंजनों के साथ आधुनिक बनाने की कोशिश की है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह पर्याप्त नहीं है। सोशल मीडिया पर लोग सरकार और वायुसेना के पुराने बेड़े पर सवाल उठा रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा, 'तीन जगुआर चार महीने में क्रैश हो गए। पुराने विमान ही समस्या हैं।' दूसरी ओर, सरकार ने हादसों की संख्या में कमी का हवाला देते हुए सुधारों की बात कही है, लेकिन पायलटों की जान जाने से जनता में आक्रोश बढ़ रहा है।

ये हादसे न केवल वायुसेना की परिचालन क्षमता पर सवाल उठाते हैं, बल्कि देश की रक्षा तैयारियों पर भी गंभीर चर्चा की मांग करते हैं। क्या समय रहते आधुनिकीकरण और बेहतर रखरखाव इन नुकसानों को रोक सकता था? यह सवाल हर हादसे के साथ और गहरा होता जा रहा है।

पापा बनने वाले हैं राजकुमार राव, शादी के 4 साल बाद दी गुड न्यूज, इंस्टाग्राम पर लिखी ऐसी बात

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव की जिंदगी में अब एक नई खुशी दस्तक देने जा रही है। शादी के करीब चार साल बाद राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा पैरेंट्स बनने जा रहे हैं।

पैरेंट्स बनने जा रहे हैं राजकुमार राव-पत्रलेखा

इस खूबसूरत खबर को खुद राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ शेयर किया है। राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा के पैरेंट्स बनने की इस खबर के सामने आने के बाद से इंडस्ट्री में भी खुशी की लहर दौड़ गई है। आम लोगों से लेकर सेलेब्स तक इस जोड़ी को नई खुशियों की बधाइयां दे रहे हैं।

इंस्टाग्राम पोस्ट में शेयर की गुड न्यूज

राजकुमार राव ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'मालिक' के प्रमोशन के बीच अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर

ये खुशखबरी दी है। पोस्ट में कपल ने बताया कि वह अपने पहले बच्चे के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं।

फराह खान पहले से जानती थीं ये खबर

-सेलेब्स के रिएक्शन की बात करें तो राजकुमार राव की इस पोस्ट पर हुमा कुरैशी, सोनाक्षी सिन्हा, कियारा आडवाणी, भूमि पेडनेकर, वरुण धवन, सोनम कपूर, पुलकित सम्राट, नेहा धूपिया, दिया मिर्जा और उर्फी जावेद जैसे कई सितारों ने हार्ट इमोजी और शुभकामनाओं के जरिए खुशी जाहिर की।

-वहीं बॉलीवुड की फेमस कोरियोग्राफर और डायरेक्टर फराह खान ने मेंट करते हुए लिखा है- आखिरकार ये बात सबके सामने आ गई। इसे सीक्रेट रखना बहुत मुश्किल हो रहा था। बहुत-बहुत बधाई।

साल 2021 में हुई थी राजकुमार राव-पत्रलेखा की शादी

राजकुमार राव और पत्रलेखा की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों ने नवंबर 2021 में शादी की थी। आपको बता दें कि कपल की उम्र में 5 साल का अंतर है। राजकुमार राव 40 साल के हैं और पत्रलेखा 35 की हैं। हालांकि उनकी बॉन्डिंग और केमिस्ट्री हमेशा चर्चा का विषय रही है।

अमित शाह राजनीति से रिटायरमेंट के बाद क्या करेंगे? खुद बताया अपना प्लान, सुनने वाले भी रह गए दंग

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार (09 जुलाई) को अहमदाबाद में आयोजित 'सहकार संवाद' कार्यक्रम में बताया है कि वे राजनीति से रिटायरमेंट के बाद भविष्य में क्या करेंगे? उन्होंने कहा कि जब वे सार्वजनिक जीवन से संन्यास लेंगे, तो अपना पूरा समय वेद, उपनिषदों के अध्ययन और प्राकृतिक (ऑर्गेनिक) खेती को देंगे।

अमित शाह ने कहा, "मैने तय किया है कि मैं जब भी रिटायर हो जाऊंगा, वेद, उपनिषद् और प्राकृतिक खेती के लिए अपना जीवन खर्च करूंगा। प्राकृतिक खेती एक तरीके का वैज्ञानिक प्रयोग है।" अमित शाह के इस बयान के बाद ये चर्चा होने लगी कि क्या वे रिटायरमेंट की योजना बना रहे हैं तो बता दें कि ऐसा कुछ नहीं है। अमित शाह ने बस ये बताया है कि जब वह राजनीति से रिटायरमेंट लेंगे तो आगे क्या करेंगे। अमित शाह बोले- प्राकृतिक खेती ही मेरा अगला जीवन है

अमित शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती कोई ढकोसला नहीं बल्कि एक वैज्ञानिक पद्धति है, जो न केवल सेहत के लिए बेहतर है, बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा करती है। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद से उगाया गया गेहूं और अन्य अनाज ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, थायरॉयड, यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की वजह बन सकते हैं।

अमित शाह ने कहा, "प्राकृतिक खेती से शरीर स्वस्थ रहता है और दवाइयों की जरूरत कम हो जाती है।" उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने खेतों में प्राकृतिक तरीके से खेती शुरू कर दी है और उत्पादन 1.5 गुना बढ़ गया है।

'रिटायरमेंट के बाद पूरा समय वेद, उपनिषदों को दूंगा'

अमित शाह ने यह भी कहा कि रिटायरमेंट के बाद वे अपना पूरा समय वेद और उपनिषदों को देंगे। उन्होंने कहा कि वह उस दौरान वेद और उपनिषद और पढ़ेंगे। अमित शाह का यह बयान न सिर्फ उनके आध्यात्मिक झुकाव को दिखाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे रिटायरमेंट के बाद भी समाज और खेती से जुड़े रहना चाहते हैं।

अमित शाह ने यह भी कहा कि जब उन्हें गृह मंत्री बनाया गया तो सभी ने इसे सबसे महत्वपूर्ण मंत्रालय माना। लेकिन जब उन्हें सहकारिता मंत्रालय मिला, तो उन्होंने महसूस किया कि यह मंत्रालय किसानों, गरीबों, गांवों और पशुधन के लिए सबसे ज्यादा काम करता है। उन्होंने कहा,"मेरे लिए सहकारिता मंत्रालय गृह मंत्रालय से भी बड़ा है, क्योंकि यह आम लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित करता है।"

अमित शाह ने हाल ही में त्रिभुवन सहकारिता विश्वविद्यालय की नींव भी रखी, जो त्रिभुवन काका को समर्पित है। शाह ने बताया कि त्रिभुवन काका ने भारत में सहकारी आंदोलन की सच्ची नींव रखी, जिससे आज गुजरात की महिलाएं ₹80,000 करोड़ तक का व्यापार कर रही हैं। अमित शाह ने कहा, "कांग्रेस ने संसद में त्रिभुवन काका के नाम का विरोध किया, लेकिन मैंने फैसला लिया कि विश्वविद्यालय उन्हीं के नाम से बनेगा।"

अमित शाह ने युवाओं को दी 2 खास सलाह

कुछ समय पहले विश्व लिवर दिवस के अवसर पर अमित शाह ने अपनी स्वास्थ्य यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मई 2019 से लेकर अब तक उन्हें एक भी एलोपैथिक दवा की जरूरत नहीं पड़ी। इसका श्रेय वे अपने संतुलित खानपान, साफ पानी, नियमित व्यायाम और अच्छी नींद को देते हैं।

युवाओं के लिए अमित शाह की 2 खास सलाह दी थी। पहली, रोज कम से कम 2 घंटे का व्यायाम करें। दूसरी, हर रात 6 घंटे की अच्छी नींद लें।

नूरजहां : बेहद शातिर थी यह मुगल रानी, सल्तनत पर राज करने के लिए बन गई थी अपनी ही बेटी की सास

(जीएनएस)।

मुगल इतिहास में कई ताकतवर महिला किरदार रही हैं। अकबर की हिंदू पत्नी जोधाबाई हों या फिर जहांगीर की बेगम नूरजहां। इन सभी महिलाओं का अपना एक सशक्त व्यक्तित्व था। इन बेगमों और रानियों की ताकत और रसूख का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि हरम से लेकर दरबार तक के फैसलों में इनका दखल हुआ करता था। नूरजहां मुगल इतिहास के सबसे दिलचस्प किरदारों में से एक हैं। अफगानिस्तान में पैदा हुई नूरजहां को रूप के साथ ही अपनी बुद्धिमत्ता और फैसले लेने की ताकत की वजह से भी जाना जाता है।

नूरजहां के बारे में इतिहासकारों की राय अलग है। कुछ इतिहासकारों का कहना है कि वह एक फेमिनिस्ट किरदार थीं जबकि कुछ उन्हें शातिर रानी के तौर पर भी देखते हैं। नूरजहां मुगल बादशाह जहांगीर की बीसवीं और अंतिम पत्नी थीं। उनका असली नाम मेहरून्निसा था और बादशाह से शादी के बाद उन्हें नूरजहां नाम और ओहदा दिया गया।

इतिहासकार रूबी लाल का कहना है कि नूरजहां के किरदार को आज के दौर में समझने की जरूरत है। वह सिर्फ खूबसूरत या जहांगीर की पसंदीदा रानी भर नहीं थी। सच्चे अर्थों में एक फेमिनिस्ट किरदार थीं। उन्हें शिकार करना आता था, वह महल के फैसलों में अपनी भागीदारी निभाती थीं। यहां तक कि जहांगीर के सभी अहम फैसले आखिरी दौर में नूरजहां की सहमति से ही होते थे। नूरजहां की ताकत का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि ऐतिहासिक दस्तावेजों के मुताबिक, जब उन्होंने शादी के बाद अपना पहला शाही फरमान जारी किया था, तो उसमें लिखा था 'नूरजहां बादशाह बेगम!'

साल 1617 में चांदी के सिक्के जारी किए गए जिन पर जहांगीर के बगल में नूरजहां का नाम छपा था। इतिहासकार रूबी लाल की किताब एंप्रेसः द अस्टोनिशिंग रेन ऑफ नूरजहां में लिखा गया है कि साल 1617 में ही वह पहली बार शाही बरामदे के उस हिस्से में आईं थीं जो सिर्फ पुरुषों के लिए ही आरक्षित था।

नूरजहां ने अपनी बेटी की शादी कराई थी जहांगीर के बेटे से

नूरजहां मुगल सल्तनत और दरबार में अपनी ताकत बनाए रखना चाहती थी। इसके लिए उन्होंने अपनी पहली शादी से हुई बेटी लाडली बेगम की शादी शहजादा शहरयार से हुई थी, जो जहांगीर के बेटे थे। नूरजहां चाहती थी कि शहरयार को ही जहांगीर का उत्तराधिकारी बनाया जाए, लेकिन सत्ता संघर्ष में शाहजहां ने बाजी मार ली। जहांगीर की मौत के बाद नूरजहां का प्रभाव कम होता गया और अपनी जिंदगी के आखिरी दिन उन्होंने लाहौर में सादगी से बिताए। अपने आखिरी दिनों में वह साहित्य पढ़कर, कशीदाकारी कर और कविताएं लिख अपना समय बिताती थीं।

क्या लॉड्र्स टेस्ट के पहले दिन बारिश बिगाड़ेगी खेल? जानिए मौसम का हाल

(जीएनएस)।

भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अब रोमांचक मोड़ पर पहुंच गई है। दूसरे टेस्ट में बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर भारत ने 336 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। अब तीसरा टेस्ट लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर 10 जुलाई से खेला जाना है, जहां दोनों टीमें बढ़त बनाने के इरादे से उतरेंगी।

इस मुकाबले से पहले फैंस के मन में एक सवाल है कि क्या लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन बारिश खेल बिगाड़ सकती है? लेकिन राहत की बात ये है कि मौसम बिल्कुल साफ रहने वाला है। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ट के पहले दिन सुबह मौसम साफ रहेगा और तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस होगा। बारिश की संभावना केवल 3% है, यानी मैच में किसी भी प्रकार का खलल नहीं आने की उम्मीद है।

ऐसा रहेगा मौसम का मिजाज

दोपहर में तापमान बढ़कर 30 डिग्री तक पहुंच जाएगा, लेकिन आसमान साफ रहेगा। शाम को हल्के बादल जरूर छाए रहेंगे लेकिन खेल को कोई खतरा नहीं। इसका मतलब है कि क्रिकेट प्रेमियों को पहले दिन पूरे ओवर देखने को मिलेंगे और मैदान पर रोमांच अपने चरम पर रहेगा। दूसरा मुकाबला जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ी तीसरे टेस्ट में भी अपने दमदार प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे।

लॉर्ड्स में होगी कांटे की टक्कर

भारत को लॉर्ड्स टेस्ट में खेलने का अच्छा अनुभव है। 2021 में इसी मैदान पर भारत ने विराट कोहली की कप्तानी में इंग्लैंड को 120 रन से हराया था। इस बार शुभमन गिल की अगुवाई में टीम एक बार फिर इतिहास दोहराना चाहेगी। टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी तय मानी जा रही है, जो दूसरे टेस्ट में वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते बाहर थे। उनकी वापसी से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। ऐसे में प्रसिद्ध कृष्णा को बाहर बैठना पड़ सकता है। वहीं इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर की एंट्री हो सकती है, जिससे मुकाबला और भी दिलचस्प होगा।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

14 जुलाई से भावनगर मंडल से होकर चलने वाली ट्रेनों का पहला चार्ट अब 8 घंटा पहले बनेगा

भारतीय रेलवे यात्रियों के लिए सुविधा में लगातार बढ़ोतरी करने का प्रयास कर रहा है। रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार नए नियमों के तहत पहला चार्ट ट्रेन के रवाना होने से 8 घंटे पहले तैयार होगा। हालांकी आरक्षित ट्रेनों का दूसरा चार्ट पूर्व की भांति ट्रेन के चलने के 30 मिनट पहले बनता रहेगा, इसके समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्ॅ य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की अब तक ट्रेन में कंफर्मेशन चार्ट ट्रेन के चलने से 4 घंटे पहले तैयार होता था। भारतीय रेलवे ने चार्ट तैयार होने के नियमों में बदलाव किया है। पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल पर यह नया नियम 14 जुलाई, 2025 (सोमवार) से लागू हो जाएगा। नए नियमों के तहत पहला चार्ट ट्रेन के रवाना होने से 8 घंटा पहले तैयार होगा। इसको लेकर रेलवे बोर्ड से निर्देश जारी कर दिया गया है। नए नियम के अनुसार जो ट्रेनें सुबह पांच बजे से दोपहर दो बजे के बीच चलेंगी, उनके लिए पहला रिजर्वेशन चार्ट रात 9 बजे बन जाएगा। इसके अलावा जो ट्रेनें दोपहर दो बजे के बाद और अगली सुबह पांच बजे से पहले चलेंगी उनके लिए पहला रिजर्वेशन चार्ट ट्रेन खुलने से 8 घंटा पहले बनेगा।

ओसाका वर्ल्ड एक्सपो-2025 भारतीय रेल की धूम, एक्सपो पहुंचने वाले लोगों में वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज को लेकर जबरदस्त उत्सुकता

जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में भारतीय रेल की धूम मची है। भारतीय पवेलियन में न केवल भारतीय प्रवासी बल्कि जापानी नागरिकों की भी भारी भीड़ उमड़ रही है। एक्सपो पहुंचने वाले लोगों में वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज को लेकर जबरदस्त उत्सुकता देखी जा रही है। लोग इनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। कई जापानी आगंतुकों को यह जानकर आश्चर्य हो रहा है कि भारत में इतनी तेज रफ्तार और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली ट्रेनें अब आम हो गई हैं। वंदे भारत की एयरोडायनॉमिक डिजाइन, इनबिल्ट सुरक्षा फीचर्स और सेमी हाई-स्पीड क्षमताओं ने तकनीक प्रेमियों को आकर्षित किया है।

वहीं, चिनाब ब्रिज झ्र जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक बनकर उभरा है। हिमालय की घाटियों में बना यह ब्रिज न केवल तकनीकी चुनौती को परास्त करता है, बल्कि भारत के उत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद अहम है। जापानी दर्शक, खासकर इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के छात्र, चिनाब ब्रिज के 3ऊ प्रेजेंटेशन और इंटरैक्टिव मॉडल को ध्यान से देख रहे हैं और इसके निर्माण से जुड़े विवरणों को जानने में गहरी रुचि ले रहे हैं।

वंदे भारत ट्रेन और चिनाब ब्रिज आधुनिक भारतीय रेल का चमकता सितारा है। बदलते भारत की पहचान है। बीते एक दशक में वंदे भारत ने अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ रेल यात्रा को नई पहचान दी है। यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ तेज रफ्तार यात्रा की सुविधा मिल रही है। भारतीय रेल ने देश के हर कोने में वंदे भारत के संचालन से कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है।

पूरे देश में करीब 140 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसे वरिष्ठ नागरिकों के साथ युवाओं के बीच अपार लोकप्रियता मिली है।

इस ट्रेन में वातानुकूलित कोच, स्वचालित दरवाजे, बायो टॉयलेट्स, जीपीएस सूचना प्रणाली, ऑनबोर्ड कैटरिंग, वाई-फाई, और सीसीटीवी सुरक्षा जैसी सुविधाएं हैं। ये सुविधाएं यात्रियों को एक प्रीमियम और आरामदायक अनुभव प्रदान करती हैं, जो पहले साधारण ट्रेनों में संभव नहीं था। वंदे भारत ट्रेनें वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।

विश्व एक्सपो 2025, जो कि 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारत के लिए वैश्विक मंच पर अपनी उपलब्धियों और नवाचारों को साझा करने का एक सुनहरा अवसर है। जापान में इंडिया पवेलियन की लोकप्रियता न केवल भारत की बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि दुनिया भारत की प्रगति को उत्सुकता और सम्मान की नजरों से देख रही है।

वडोदरा मंडल में अनाधिकृत वेंडरों के विरुद्ध विशेष अभियान

वडोदरा मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा रेलवे सुरक्षा बल (फ्ढत्र्) के सहायता से वडोदरा स्टेशन पर अनाधिकृत वेंडरों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों को एक सुरक्षित, सुविधाजनक और अनुशासित यात्रा अनुभव प्रदान करना था।

अभियान के दौरान स्टेशन परिसर में अनधिकृत रूप से खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुएं बेचने वाले वेंडरों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की गई तथा जुमार्ने के रूप में राजस्व की वसूली की गई। इस प्रकार की कार्रवाई से यात्रियों को एक सकारात्मक संदेश मिला और उन्होंने रेलवे प्रशासन के इस प्रयास की खुले रूप से सराहना की।

यात्रियों ने इस पहल को यात्रा के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता और अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और स्वागतयोग्य कदम बताया।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों से पुनः अपील की जाती है कि वे स्टेशन परिसरों में केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुएं खरीदें, जिससे उनकी स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित हो सके।

इस प्रकार के अभियान भविष्य में भी नियमित अंतराल पर जारी रहेंगे, ताकि प्रत्येक यात्री को एक स्वच्छ, सुरक्षित एवं नियमबद्ध यात्रा अनुभव प्राप्त हो।

यह अभियान भारतीय रेलवे की उस निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके अंतर्गत वह यात्रियों को उत्तम सेवाएँ एवं सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराने हेतु सतत प्रयासरत है।

क्या 40 साल पुराना था चूरू में क्रैश हुआ जगुआर फाइटर जेट? हादसे की असली वजह क्या?

(जीएनएस)।

राजस्थान के चूरू जिले की रतनगढ़ तहसील के गांव भानुदा में भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर 9 जुलाई 2025 की दोपहर करीब 1:25 बजे क्रैश हो गया। यह दो सीटों वाला जगुआर फाइटर जेट श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ान भरकर निकला था।

विमान हादसे की सूचना मिलते ही चूरू के जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा मौके के लिए रवाना हुए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू करवा दिए गए। जेट के दोनों पायलट शहीद हो गए हैं। भारतीय वायुसेना ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (आंतरिक जांच) के आदेश दिए हैं।

भारतीय वायुसेना का आधिकारिक बयान

"एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान आज राजस्थान के चूरू के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में दोनों पायलटों को जानलेवा गंभीर चोटें आईं। अन्ॅ य किसी नागरिक संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ है। भारतीय वायुसेना गहरी संवेदना प्रकट करती है और इस दुखद घड़ी में शोकसंतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। हादसे के कारणों की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी गठित कर दी गई है।"

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, चूरू में क्रैश हुआ यह फाइटर जेट करीब 40 साल पुराना था। यह विमान भारतीय वायुसेना के सूरतगढ़ बेस से नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद यह जेट चूरू जिले के भानुदा गांव के एक खेत में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जेट का मलबा दूर-दूर तक फैल गया और पूरे इलाके में धुएं का घना गुबार छा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान आसमान में असंतुलित हो गया था और नीचे गिरते समय आग का गोला बन गया था।

वायुसेना के जगुआर विमान के क्रैश की पुख्ता वजह अब तक सामने नहीं आई है, लेकिन प्रारंभिक स्तर पर तकनीकी खराबी, पायलट की

मानवीय भूल या पक्षी से टकराव को संभावित कारण माना जा रहा है।

हालांकि, सही कारणों का पता भारतीय वायुसेना और रक्षा मंत्रालय की संयुक्त जांच के बाद ही चलेगा। टीमें दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे और ब्लैक बॉक्स (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर) का विश्लेषण करेंगी।

जगुआर विमान कब बना और किसने बनाया?

साल 1970 में फ्रांस और ब्रिटेन ने मिलकर सेपेकैट जगुआर (रएढएउअळ खॅं४१) नामक इस लड़ाकू विमान का निर्माण किया था। वर्ष 1979 में यह विमान भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हुआ।

अप्रैल 2025 में जामनगर गुजरात में जगुआर क्रैश हादसा।

जगुआर एक ट्विन-सीटर फाइटर जेट है, यानी इसमें दो पायलट बैठ सकते हैं। उम्र के लिहाज से ये विमान 40 साल से अधिक पुराने हो चुके हैं। बीते दशकों में तकनीक काफी आधुनिक हो चुकी है, जिसके चलते जगुआर को अपग्रेड करने के प्रयास लगातार जारी हैं।

ताकत और विशेषताएं

जगुआर फाइटर जेट को मुख्य रूप से जमीन पर हमला करने और हवाई रक्षा के लिए इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय वायुसेना में इसे डीप पेनेट्रेशन स्ट्राइक और टोही मिशनों के लिए तैनात किया गया है।

सूरतगढ़ एयरबेस जैसे रणनीतिक स्थानों से अक्सर ये विमान नियमित उड़ानें भरते हैं। जगुआर 46,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है और सिर्फ डेढ़ मिनट में 30,000 फीट की ऊंचाई तक पहुंचने में सक्षम है। ये विमान केवल 600 मीटर के छोटे रनवे से भी टेकऑफ और लैंडिंग कर सकते हैं।

भारत में जगुआर का निर्माण और रखरखाव हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (ल्अछ) द्वारा किया जाता है। इसमें सिंगल और ट्विन-सीटर जैसे कई वेरिएंट्स शामिल हैं।

भारतीय वायुसेना के लिए जगुआर विमानों का लगातार क्रैश होना चिंता का विषय बना हुआ है। साल 2025 में ही यह तीसरी बार है जब जगुआर क्रैश हुआ है।

मार्च 2025 में हरियाणा के अंबाला एयरबेस से उड़ान भरने के बाद एक जगुआर विमान क्रैश हुआ था।

अप्रैल 2025 में गुजरात के जामनगर के पास सुवर्डा गांव में ऐसा ही एक और हादसा हुआ था।

और अब जुलाई 2025 में चूरू में तीसरा हादसा सामने आया है।

लगातार हो रही इन दुर्घटनाओं से वायुसेना के जगुआर बेड़े की सेफ्टी और टेक्नोलॉजिकल अपग्रेड को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अमेरिका से प्रत्यर्पण द्वारा सीबीआई की गिरफ्त में आयेगी मोनिका कपूर, ज्वेलरी के कारोबार की आड़ में की थी करोड़ों की धोखाधड़ी

(जीएनएस)।

25 साल से फरार चल रही धोखाधड़ी की आरोपी मोनिका कपूर अब आखिरकार उइक की गिरफ्त में आ गई है। बुधवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने अमेरिका से उसके प्रत्यर्पण की पुष्टि की और अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार रात तक मोनिका कपूर को लेकर फ्लाइट भारत पहुंच सकती है।

अमेरिका की ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट न्यूयॉर्क की अदालत ने भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत मोनिका को भारत भेजने की मंजूरी दी थी। मोनिका कपूर ने 1999 में भारत से फरार होकर अमेरिका में शरण ली थी।

ज्वेलरी के कारोबार की आड़ में किया घोटाला

मोनिका पर आरोप है कि उसने अपने दो भाइयों- राजन खन्ना और

राजीव खन्ना के साथ मिलकर ज्वेलरी के कारोबार की आड़ में एक बड़ा इंपोर्ट-एक्सपोर्ट घोटाला किया था। इन लोगों ने मिलकर फर्जी शिपिंग दस्तावेज, बिल और इनवॉयस तैयार किए और भारत सरकार से ड्यूटी-फ्री कच्चा माल (सोना) मंगवाने की मंजूरी ली।

इस तरह उन्होंने 1998 में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर छह रिप्लेनिशमेंट लाइसेंस हासिल किए, जिनसे लगभग ₹2.36 करोड़ का सोना खरीदा गया। इन लाइसेंसों को बाद में इन्होंने अहमदाबाद स्थित एक कंपनी Deep Exports को प्रीमियम पर बेच दिया, जिसने उनका इस्तेमाल ड्यूटी-फ्री गोल्ड के इंपोर्ट के लिए किया।

सरकार को हुआ 1.44 करोड़ का सीधा नुकसान

इस पूरे घोटाले से सरकार को ₹1.44 करोड़ का सीधा नुकसान हुआ। अगर विदेशी मुद्रा के नुकसान को भी शामिल किया जाए तो यह रकम \$6,79,000 (करीब ₹5.7 करोड़) के आसपास बैठती है। उइक ने इस मामले में 2004 में चार्जशीट दाखिल की थी। लेकिन मोनिका कपूर जांच में कभी शामिल नहीं हुई और अदालत से भी लगातार गैरहाज़िर रही।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस लेगा टीचर्स की जगह, बच्चों के पास होमवर्क नहीं सिर्फ चैटबॉट होगा?

(जीएनएस)।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल अब पढ़ाई से लेकर रिसर्च और जरनल्स बनाने, नोट्स और समरी तैयार करने के लिए हो रहा है। जिस तरीके से एआई का इस्तेमाल जीवन के हर छोटे-बड़े पहलू में हो रहा है उसे देखकर कई तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। एक सवाल यह भी है कि क्या एआई और तकनीक के आ जाने से क्लासरूम की दुनिया खत्म हो जाएगी? बच्चों की जिंदगी में सिर्फ चैटबॉट होंगे और होमवर्क जैसी बातें बीते युग की हो जाएगी। अगर आपके पास भी ये सारे सवाल हैं, तो यहां इनके जवाब मिलेंगे।

क्लासरूम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल आने वाले दिनों में स्मार्ट क्लासरूम में होगा। भारत में बहुत से नामचीन स्कूलों में इसकी शुरूआत हो भी चुकी है। इसके साथ ही ऐसी चिंता भी जताई जा रही है कि क्या बच्चों की तकनीक पर इतनी ज्यादा निर्भरता उनकी क्रिएटिव थिंकिंग और सवाल करने की क्षमता, उत्सुकता को पूरी तरह से समाप्त कर देगा।

लर्निंग सिस्टम में बड़े स्तर पर होगा बदलाव

पिछले कुछ महीनों में छात्रों के बीच AI टूल्स का उपयोग तेजी से बढ़ा है। अब स्कूल के बच्चे भी प्रोजेक्ट्स हो या जनरल नॉलेज का सवाल, सबके जवाब के लिए चैटजीपीटी और चैटबॉट पर निर्भर हैं। बहुत से स्कूलों में बच्चों को एआई इस्तेमाल और लर्निंग से जुड़ी जानकारी भी दी जाने लगी है। इसमें कोई शक नहीं है कि तकनीक अब शिक्षा के तरीके और बच्चों की लर्निंग प्रोसेस को बदलेगी। इसकी शुरूआत हो चुकी है।

AI की वजह से टीचर्स की भूमिका खत्म हो जाएगी?

इस ट्रेंड से टीचर्स कुछ अभिभावक और कई शिक्षाविद् चिंतित हैं। मुख्य चिंता है कि अकमददगार है, लेकिन बच्चे हर सवाल का जवाब बिना सोचे समझे चैटबॉट से लेने की आदत बना सकते हैं। इससे उनकी सोचने और समझने की क्षमता कमजोर हो सकती है। दूसरी ओर कुछ शिक्षक मानते हैं कि AI एक सहयोगी की तरह काम कर सकता है, अगर इसे सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए।

रेलवे ट्रैक से लेकर पेट्रोल पंप तक ठप, दिखा भारत बंद का असर

(जीएनएस)।

केंद्र सरकार की श्रम नीतियों और आर्थिक सुधारों के खिलाफ देशभर की 10 प्रमुख केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाए गए भारत बंद का असर कुछ ही राज्यों तक सीमट के रह गया। पब्लिक ट्रांसपोर्ट से लेकर रेलवे ट्रैक और राष्ट्रीय राजमार्गों तक पर प्रदर्शन हुए, जिससे आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ।

यह बंद केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित श्रम सुधारों और आर्थिक नीतियों के विरोध में किया गया, जिन्हें यूनियनें श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करने वाला बता रही हैं।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार प्रो-कॉर्पोरेट रिफॉर्म के नाम पर संगठित और असंगठित दोनों तरह के श्रमिक वर्ग के हितों को नजरअंदाज कर रही है।

रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन, सड़कों पर आगजनी

बिहार के जहानाबाद और पश्चिम बंगाल के जाधवपुर जैसे स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक जाम कर दिए। जाधवपुर स्टेशन पर वामपंथी यूनियन के सदस्यों ने पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ट्रैक पर बैठकर विरोध जताया। कोलकाता में सड़कों पर टायर जलाकर मार्ग अवरुद्ध किए गए, जिससे सामान्य यातायात भी बाधित हुआ।

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में सीआईटीयू से जुड़े कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया, जिसकी वजह से कई पेट्रोल पंप बंद रहे। उधर, केरल के कोट्टायम में व्यापारी भी बंद में शामिल हो गए, जिससे मॉल और दुकानों पर ताले लटकते नजर आए।

उत्तर बंगाल में बंद के दौरान कुछ अनोखा नजारा भी देखने को मिला। यहां उत्तर बंगाल राज्य परिवहन निगम के बस ड्राइवरों ने सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर हेलमेट पहनकर काम किया। अठक से बात करते हुए एक ड्राइवर ने कहा, "हम कामगार हैं, बंद का समर्थन करते हैं, लेकिन काम करना भी जरूरी है। सुरक्षा के लिहाज से हेलमेट पहन रहे हैं।"

तमिलनाडु में सामान्य रहा जनजीवन

जहां उत्तर भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में भारत बंद का खासा असर देखने को मिला, वहीं तमिलनाडु खासकर चेन्नई में सामान्य जनजीवन जारी रहा। बसें अपने निर्धारित समय पर चलीं और दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।

ओडिशा में हाईवे जाम, कर्नाटक में हल्का असर

ओडिशा के खुर्दा जिले में सीआईटीयू के सदस्यों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया, जिससे आवागमन बाधित हुआ। वहीं कर्नाटक के हुबली में बंद का प्रभाव सीमित रहा। हालांकि कई यूनियनों जैसे सीआईटीयू, इंटक और एटक ने निजीकरण और मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध जताया।

प्रमुख यूनियनों का समर्थन

इस बंद को 10 प्रमुख ट्रेड यूनियनों का समर्थन प्राप्त था, जिनमें शामिल हैं:

इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (क्छळवउ)

ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (अक्ळवउ)

हिंद मजदूर सभा (ल्टर)

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (उक्ळव)

ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर (अक्वळवउ)

ट्रेड यूनियन कोऑर्डिनेशन सेंटर (ळवउउ)

सेल्फ एम्प्लॉयड वीमेंस एसोसिएशन (रएहअ)

ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (अकउउळव)

लेबर प्रोग्रेसिव फेडरेशन (छढत्र्)

यूनाइटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस (वळवउ)

ट्रेड यूनियनों की प्रमुख मांगें

खाली सरकारी पदों पर तत्काल भर्ती

मनरेगा के तहत काम के दिनों की संख्या और मजदूरी में वृद्धि

श्रम कोड में बदलाव की प्रक्रिया पर रोक

निजीकरण की नीतियों को तत्काल वापस लेने की मांग

बिहार चुनाव में किन-किन मुद्दों पर डाले जाएंगे वोट? सबको चुभेगा ओपिनियन पोल का आंकड़ा

(जीएनएस)।

बिहार में एक बार फिर से चुनावी रणभेरी बज चुकी है। 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की रणनीतियां तेज हैं, लेकिन असली सवाल ये है कि इस बार जनता किन मुद्दों पर वोट देगी? क्या मुद्दे वही पुराने होंगे या इस बार मतदाता नई प्राथमिकताओं के साथ सामने आएंगे?

InkInsight और C-Voter द्वारा किए गए दो अलग-अलग सर्वे में बेरोजगारी, महंगाई, बुनियादी ढांचा, और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे सामने आए हैं, जो तय करेंगे कि बिहार की सत्ता की चाबी किसके हाथ जाएगी। ये ओपिनियन पोल के आंकड़े NDA के नीतीश कुमार से लेकर महागठबंधन के तेजस्वी यादव तक को चुभेगी। आइए जानते हैं बिहार की जनता किन-किन मुद्दों इस चुनाव में डालेगी वोट।

- बेरोजगारी सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा

InkInsight के सर्वे के अनुसार, 51.2% लोगों ने बेरोजगारी को सबसे बड़ा मुद्दा बताया है। वहीं फरवरी 2025 में आए उ-श्ङ्म३ी१ सर्वे में भी 45% वोटर्स ने बेरोजगारी को अपना सबसे बड़ा दर्द बताया है। इसका साफ मतलब है कि नौजवान मतदाता इस बार नौकरी और रोजगार को ध्यान में रखते हुए वोट डाल सकते हैं।

- महंगाई और भ्रष्टाचार ने भी बढ़ाई चिंता

InkInsight के मुताबिक

महंगाई 45.7% लोगों के लिए अहम मुद्दा है

भ्रष्टाचार को 41% लोगों ने अपनी प्राथमिकता बताया

जबकि C-Voter में

महंगाई को 11%

भ्रष्टाचार को 4% लोगों ने मुख्य मुद्दा माना

इन आंकड़ों से साफ है कि आम जनता रोजमर्रा की जिंदगी में महंगाई और सरकारी व्यवस्था में पारदर्शिता को लेकर असंतुष्ट है।

- बिजली, पानी, सड़कें और कानून-व्यवस्था

बुनियादी ढांचा भी एक अहम मुद्दा बनकर उभरा है

InkInfsight सर्वे में 36.9% लोगों ने बिजली, पानी, और सड़क को लेकर चिंता जताई

उ-श्ङ्म३ी१ में यह आंकड़ा 10% है

- कानून-व्यवस्था की बात करें तो क्ल्ल'क्ल्ल३ॅ३ में 19.5% लोगों ने इसे वोट देने का आधार माना है। यानी राज्य में अपराध और सुरक्षा को लेकर भी लोगों की चिंता बनी हुई है।

- उम्र के हिसाब से ठऊअ और महागठबंधन की स्थिति

InkInsightt सर्वे में यह भी बताया गया है कि उम्र के अनुसार किसे कितनी पसंदगी मिल रही है

✓ NDA को 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में सबसे ज्यादा समर्थन (53%) मिल रहा है।

✓ 40-49 आयु वर्ग में 51.9%, और 50-59 में 48.8% लोग ठऊअ को पसंद कर रहे हैं।

✓ वहीं महागठबंधन को 18-29 वर्ष के युवा मतदाता (34.8%) के बीच कुछ समर्थन मिला है, लेकिन बाकी आयु वर्गों में वे पीछे हैं।

इस बार बिहार चुनाव में रोजगार और महंगाई सबसे ज्यादा असर डालने वाले मुद्दे होंगे। युवाओं की नाराजगी, ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की मांग, और बढ़ती महंगाई इस बार किसी भी दल की जीत या हार तय कर सकते हैं। भले ही NDA फिलहाल सर्वे में आगे नजर आ रहा हो, लेकिन चुनावी हवा कब किस ओर बह जाए - यह बिहार की राजनीति का सबसे दिलचस्प पहलू है।

पश्चिम रेल्वे

परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी की नियुक्ति

उप सीएसटीई/वर्क्स (एस एंड टी), द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008। ई-निविदा सूचना क्रमांक: DYCSTE_Works_PSSA_01R दिनांक 26/06/2025 आमंत्रित। कार्य एवं स्थान: पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में एस एंड टी विभाग की विभिन्न सिग्नलिंग परियोजनाओं हेतु परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएँ प्रदान करने हेतु परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी की नियुक्ति। कार्य की अनुमानित लागत: ₹10,08,77,479.68/- EMD : ₹6,54,400/-। निविदा समाप्ति तिथि एवं समय: दिनांक 05.08.2025 को 15:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.inदेखें। 0374

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मंडल

ई-निविदा सूचना संख्या. व.मं.बि. अभियंता/कर्षण/अह./14 (2025-26) दिनांक: 08.07.2025

पॉर्सिलेन प्रकार के पोस्ट और ऑपरेटिंग रॉड इंसुलेटर को प्रतिस्थापित करना

निविदा संख्या: TRD-ADI-T-10-2025-26

कार्य का नाम: सामाखियाली - गांधीधाम खंड -पॉर्सिलेन प्रकार के पोस्ट और ऑपरेटिंग रॉड इंसुलेटर को कॉम्पोज़िट प्रकार के पोस्ट और ऑपरेटिंग रॉड इंसुलेटर से प्रतिस्थापित करना

अनुमानित लागत: ₹ 1,71,36,499/- | **धरोहर राशि:** ₹2,35,700/-

निविदा प्रपत्र जमा करने की आखिरी तारीख एवं समय: 05.08.2025 को 15:00 बजे **तकनिविदा प्रपत्र खुलने की तारीख एवं समय :** 05.08.2025 को 15:30 बजे.

ऑफिस का पता: वरि. मण्डल बिजली अभियंता. डी.आर.एम. ऑफिस, चामुंडा पुल के पास, जी.सी.एस. अस्पताल के सामने, नरोड़ा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद- 382345 **वेब साइट का पता: www.ireps.gov.in** 102

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मोरबी पुल ढहने के 3 साल बाद कैसे हुआ गंभीरा ब्रिज हादसा? मरने वाले 9 लोगों में कौन-कौन?

(जीएनएस)।

गुजरात के वडोदरा जिले में बुधवार (9 जुलाई 2025) सुबह एक दर्दनाक हादसे ने सबको झकझोर दिया। आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाला 40 साल पुराना गंभीरा ब्रिज सुबह करीब 7:30 बजे अचानक ढह गया, जिसके चलते महिसागर नदी में कई वाहन गिर गए। इस हादसे में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल बताए जा रहे हैं।

पादरा तालुका के मुजपुर गांव के पास महिसागर नदी पर बना गंभीरा ब्रिज, जो मध्य गुजरात और सौराष्ट्र को जोड़ता है, सुबह के व्यस्त समय में टूट गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुल के दो पिलरों के बीच

का स्लैब अचानक टूटकर नदी में गिर गया। इस दौरान दो ट्रक, एक बोलेरो एसयूवी, एक पिकअप वैन, एक ऑटो-रिक्शा और एक इको वैन नदी में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे से पहले एक तेज आवाज सुनाई दी, जिसके बाद पुल का हिस्सा ढह गया।

घटना की सूचना मिलते ही वडोदरा जिला प्रशासन, पुलिस, दमकल विभाग, और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) की टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय तैराकों और ग्रामीणों ने भी बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब तक 5 से 6 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें से कुछ को मामूली चोटें आई हैं। घायलों को वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्रेन और डाइवर्स की मदद से नदी में फंसे वाहनों को निकालने का काम जारी है।

ढाका प्रोटेस्ट में छात्रों पर शेख हसीना ने करवाई फायरिंग? ऑडियो लीक के बाद हसीना की हो सकती है गिरफ्तारी!

(जीएनएस)।

बांग्लादेश की राजनीति में उठा पटक का दौर खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक बार फिर यहां की राजनीति में भूचाल आया और इस बार विवादों के केंद्र में हैं देश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना। दरअसल, बीबीसी की एक रिपोर्ट ने न केवल देश की सियासत को झकझोर दिया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंताओं का दौर शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2024 में छात्रों द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी आंदोलन और प्रदर्शनों पर जो बर्बर कार्रवाई की गई थी, उसके पीछे खुद शेख हसीना का निर्देश था।

लीक ऑडियो में क्या है?

बीबीसी द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2025 में सामने आए एक लीक ऑडियो क्लिप में दावा किया गया है कि यह शेख हसीना और एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के बीच की बातचीत है। इस बातचीत में शेख हसीना सुरक्षा बलों को "घातक हथियारों" का इस्तेमाल करने और प्रदर्शनकारियों को जहां भी देखें, गोली मारने के निर्देश देती सुनाई देती हैं। यह बातचीत कथित रूप से 18 जुलाई 2024 को हसीना के आधिकारिक आवास गणभवन, ढाका में हुई थी।

हालांकि अवामी लीग की ओर से लीक ऑडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इसमें जो बातें सामने आई हैं, वे बेहद गंभीर और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों के उल्लंघन की ओर संकेत करती हैं।

ढाका प्रदर्शन के आग में जली बांग्लादेश की सियासत

जुलाई 2024 में बांग्लादेश में छात्र संगठनों द्वारा शिक्षा और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू हुआ था। जल्द ही यह आंदोलन देशव्यापी विद्रोह में बदल गया। रिपोर्टों के अनुसार, इस दौरान लगभग 1,400 लोगों की मौत हुई, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र, नागरिक और राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल थे।

इस बर्बर कार्रवाई को लेकर अब संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने शेख हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध, सुनियोजित हत्या, हिंसा को भड़काने, साजिश रचने और नरसंहार रोकने में विफल रहने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

अंतरराष्ट्रीय जांच और अदालती कार्रवाई

शेख हसीना पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमे की सुनवाई पिछले महीने शुरू हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 203 लोगों को आरोपित किया गया है, जिनमें 73 पुलिस और सरकारी अधिकारी हिरासत में हैं। बाकी आरोपी या तो फरार हैं या अज्ञात स्थानों पर छिपे हैं।

वर्तमान में शेख हसीना अपने देश से बाहर हैं, जहां से वे सार्वजनिक रूप से किसी भी मीडिया को बयान नहीं दे रही हैं। हालांकि अवामी लीग ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सभी आरोपों को खारिज किया है, लेकिन लीक हुए ऑडियो और घटनाक्रमों के चलते उनकी अंतरराष्ट्रीय साख पर गहरा आघात पड़ा है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, एमनेस्टी इंटरनेशनल, और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसे संगठनों ने इस प्रकरण को गंभीर बताते हुए तथ्यों की पारदर्शी जांच की मांग की है। साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि यदि न्याय प्रक्रिया में बाधा डाली गई, तो बांग्लादेश को वैश्विक स्तर पर राजनयिक और आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

शेख हसीना के खिलाफ उठे यह आरोप न सिर्फ बांग्लादेश की राजनीति को गहराई से प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर रहे हैं कि लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आवाज उठाने वालों पर इस तरह के दमनात्मक आदेश क्या किसी भी सरकार को शोभा देते हैं? अब दुनिया की निगाहें इस मुकदमे पर टिकी हैं, जहां न्याय और जवाबदेही की परीक्षा होगी।

दो दिन पहले पुतिन ने बर्खास्त किया, अब झाड़ियों में मरा मिला रूसी परिवहन मंत्री, किस पर शक?

(जीएनएस)।

1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद व्लादिमीर पुतिन ने अपने शहर सैंट पीटर्सबर्ग से नगर पालिका चुनाव के जरिए रूसी राजनीति में कदम रखा था। महज 8 साल में पुतिन नगर पालिका के चुनाव से निकलकर रूस के प्रधानमंत्री बने और फिर महज पांच महीने बाद ही 1999 में रूस के राष्ट्रपति बने। जब इसके पीछे कारण तलाशते हैं तो एक बात निकलकर सामने आती है वो ये कि वे अपने कॉम्प्टीटर्स या विरोधियों को जिन तरीकों से ठिकाने लगाते हैं उनसे उनकी राजनीति तो छोड़िए दुनिया में वापसी मुश्किल हो जाती है।

पुतिन के पूर्व परिवहन मंत्री की रहस्यमयी मौत?

उनके ज्यादातर विरोधी किसी जमाने में उनके करीबी रहे लेकिन जैसे ही वो करीबी अपना दायरा लांघने की कोशिश करते हैं तो या तो वे हटा दिए जाते हैं या फिर निपटा दिए जाते हैं। ऐसा कुछ हुआ है अब रूस पूर्व परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइत के साथ, रोमन को 2024 में रूस का परिवहन मंत्री बनाया गया, उनके कार्यकाल में कुर्स्क इलाके में कुछ गड़बड़ियां हुईं, यूक्रेन की सेना कुर्स्क में घुसपैठ की जिसकी जांच के बाद उन्हें 7 जुलाई 2025 को पद से हटाया गया और 9 जुलाई 2025 को वे मृत पाए गए।

दो दिन पहले पुतिन ने किया था बर्खास्त

रूसी जांच एजेंसी ने जानकारी दी है कि रूस के पूर्व परिवहन मंत्री रोमन

स्टारोवोइत मृत पाए गए हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को ही उन्हें पद से हटाया था और उनकी बर्खास्तगी का कोई कारण नहीं बताया गया था। इसके तुरंत बाद ही उप परिवहन मंत्री आंद्रेई निकितीन को नया मंत्री नियुक्त किया गया था। अब जांच एजेंसी इस घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। जैसे कि येवगेनी प्रिगोझिन के मामले में कर रही थीं।

दो दिन पहले हुई मौत, बाद में चला पता

फोर्ब्स मैग्जीन ने जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों के हवाले से लिखा है कि स्टारोवोइत की मौत संभवतः शनिवार और रविवार की रात को हुई थी, यानी कि उन्हें पद से हटाने के एक या दो दिन पहले। रूसी संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा की डिफेंस कमेटी के प्रमुख आंद्रेई कार्तपोलोव ने भी रूसी मीडिया संस्थान आरटीवीआई से बातचीत में कहा कि स्टारोवोइत की मृत्यु "काफी पहले हो चुकी थी।"

जब दुबई में हुआ पाकिस्तानी से सामना, बीच रास्ते में गाड़ी से उतर कर क्यों भागी पटना के खान सर खान सर की टीम?

(जीएनएस)।

पटना के खान सर आज देश के सबसे लोकप्रिय शिक्षकों में से एक बन चुके हैं। उन्होंने पढ़ाने के अंदाज को ऐसा आसान और मजेदार बना दिया है कि लाखों छात्र उनसे जुड़ चुके हैं। खासतौर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के बीच उनकी जबरदस्त पहचान है। खान जीएस रिसर्च सेंटर के जरिए और अपने यूट्यूब चैनल पर वे ऐसे विषयों को भी बड़ी आसानी से समझा देते हैं, जो आमतौर पर छात्रों को कठिन लगते हैं।

उनका सादा बोलचाल, देसी उदाहरण और मजाकिया अंदाज छात्रों को पढ़ाई से जोड़ने में मदद करता है। यही वजह है कि उनके यूट्यूब चैनल पर 2.3 करोड़ से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। खान सर ने यह साबित कर दिया है कि अगर सच्चे मन से कोशिश की जाए, तो पढ़ाई को बोझ नहीं, एक शानदार अनुभव बनाया जा सकता है। भारत-पाकिस्तान के संबंधों को लेकर वो हमेशा से मुखर रहे हैं।

खान सर ने सुनाया पाकिस्तानी से मिलने का दिलचस्प किस्सा!

खान सर को अक्सर अपने वीडियो और इंटरव्यू में पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते देखा गया है। जाहिर तौर पर इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में पड़ोसी मुल्क, पाकिस्तान के लोग भी खान सर की बातों और नजरिए से अनजान नहीं हैं। उन्हें भी खान सर की वीडियो तो यूट्यूब इत्यादि पर नजर आए ही होंगे।

आज हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसा किस्सा जब एक पाकिस्तानी व्यक्ति से खान सर की टीम का सामना हुआ, उसके बाद जो हुआ वो बहुत ही दिलचस्प था। ये किस्सा खुद खान सर ने अपने एक इंटरव्यू में सुनाया था।

'पाकिस्तान पर हावी है धर्म'

स्मिता प्रकाश को दिए एक इंटरव्यू के दौरान पाकिस्तान पर बात करते हुए खान सर ने कहा, "धर्म का नशा जब चढ़ जाता, तो धर्म की सबसे बड़ी खराबी यही होती है कि धर्म आपको क्वेश्चन नहीं पूछने देता है। इसमें जो बोल रहे हैं वो मानना होता है। मानिए की जो कहा जा रहा है वो सही है और इंसान को धीरे-धीरे इसकी आदत हो जाती है। पाकिस्तान देश ही धर्म के नाम पर बना है। उन्हें शुरू से बोला जा रहा है कि इंडिया गलत है तो अब वो ये मान चुके हैं कि इंडिया गलत है।"

'दुबई-पाकिस्तान में शेर और सुअर का अंतर'

खान सर ने आगे कहा कि धर्म को साइड में रखना चहिए। धर्म जब देश पर हावी हो जाता है तो देश बदहाली की ओर जाने लगता है। उन्होंने इसके लिए कुछ उदाहरण भी दिए जैसे पहले दुबई पाकिस्तान से भाड़े पर प्लेन ले जाता था लेकिन आज देखिए दुबई कहां है और पाकिस्तान कहां रह गया। उन्होंने कहा, "दुबई और पाकिस्तान में शेर

एसवाईएल नहर मामला क्या है, जो हरियाणा-पंजाब को 43 साल से लड़वा रहा? अब सीएम भगवंत मान-नायब सिंह आमने-सामने

(जीएनएस)।

सतलुज-यमुना लिंक नहर विवाद को सुलझाने के लिए पंजाब-हरियाणा एक बार फिर आमने-सामने हैं। इसी विवाद को लेकर बुधवार को एक अहम बैठक दिल्ली में हो रही है। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अगुवाई में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी पहुंचे हैं। बैठक का उद्देश्य 43 साल से लंबित जल बंटवारे के विवाद का समाधान निकालना है, जिसे लेकर दोनों राज्यों के बीच तनातनी बनी हुई है।

पंजाब-हरियाणा के बीच एसवाईएल नहर का विवाद साल 1981 में शुरू हुआ, जब केंद्र की मध्यस्थता में पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बीच सतलुज-ब्यास नदी के जल बंटवारे का समझौता हुआ था। इसके तहत हरियाणा को 3.5 मिलियन एकड़ फीट (MAF) पानी देने के लिए 214 किलोमीटर लंबी सतलुज-यमुना लिंक (SYL) नहर बनाने का निर्णय लिया गया। इसमें 122 किलोमीटर पंजाब में और 92 किलोमीटर हरियाणा में बननी थी। हरियाणा ने नहर का अपना हिस्सा बना लिया, लेकिन पंजाब ने 1982 में काम ठप कर दिया। पंजाब का तर्क है कि उसके पास खुद पर्याप्त जल नहीं है, जबकि हरियाणा अपने हिस्से के पानी की मांग पर अड़ा है।

केंद्र की कई कोशिशें नाकाम

र छ नहर को लेकर केंद्र सरकार की कई बार मध्यस्थता की कोशिशें हो चुकी हैं। पूर्व जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अगुवाई में भी दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच बैठक हो चुकी है, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने साफ कह दिया था कि राज्य में जल संकट है और वह हरियाणा को पानी नहीं दे सकता।

पंजाब ने लौटा दी अधिग्रहित जमीन

मीडिया की खबरों के अनुसार र छ नहर निर्माण के लिए पंजाब में जो जमीन अधिग्रहीत की गई थी, उसे राज्य सरकार ने किसानों को लौटा दिया है। साथ ही 2004 में पंजाब विधानसभा ने एक कानून पारित कर 1981 के समझौते को निरस्त कर दिया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में इस कानून को खारिज कर दिया और नहर निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता और अगली सुनवाई

मई में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए कि वह दोनों राज्यों के बीच SYL विवाद पर मध्यस्थता कर हल निकाले। उसी आदेश के तहत केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने यह ताजा बैठक बुलाई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट में होनी है।

हरियाणा की मांग, पंजाब की आपत्ति

हरियाणा का पक्षः उसे 3.5 टअऋपानी मिलना चाहिए, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भी पुष्ट हो चुका है।

पंजाब का रुखः राज्य जल संकट से गुजर रहा है, ऐसे में किसी और राज्य को पानी देना संभव नहीं।

लॉर्ड्स में फील्डर के लिए कैच लेना क्यों है मुश्किल? हैरान कर देगा कारण

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने कैफ कैच ड्रॉप किये थे, इस वजह से भारत को हार का सामना करना पड़ा था। यशस्वी जायसवाल ने कैच कैच छोड़े थे और उनके ऊपर सवाल भी खड़े हुए थे। जायसवाल स्लिप क्षेत्र में फील्डिंग बिलकुल भी नहीं कर पाए थे।

अब तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स में खेला जाना है। लॉर्ड्स टेस्ट मैच के दौरान भी फील्डरों के ऊपर दबाव रहने वाला है। लॉर्ड्स में फील्डिंग कर पाना इतना आसान काम नहीं होता है, इसके पीछे भी कई कारण हैं। फील्डरों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

लॉर्ड्स ग्राउंड में ढाई मीटर का ढलान है, ग्राउंड समतल नहीं होने की वजह से गेंद की गति और दिशा दोनों प्रभावित होते हैं। इससे कैच के बारे में फील्डर को अनुमान लगा पाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। सही तरह से जज करने पर ही कैच पकड़ा जा सकता है।

रोशनी के कारण नहीं लगता अनुमान

दर्शक दीर्घा में एकरूपता नहीं होने की वजह से दिन के अलग-अलग समय में वहां धूप और छाँव रहती है। अजीब रोशनी के कारण फील्डर को कैच का अनुमान लगा पाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। ज्यादा उंचाई से आने वाले कैच को पकड़ना मुश्किल काम हो जाता है।

ग्राउंड का मौसम और हवा

इसके अलावा पवेलियन में सफेद रंग के बैकग्राउंड पर फील्डरों की नजर चली जाती है। पवेलियन की बालकनी से भी फील्डरों को अन्य खिलाड़ी दिखाई देते हैं। इसके अलावा मौसम भी एक अहम फैक्टर है। मौसम में हवा बार-बार बदलती रहती है। हवा की वजह से गेंद की दिशा बदल जाती है और कैच पकड़ने में परेशानी होती है।

दर्शकों का भी प्रेशर

लॉर्ड्स में दर्शकों का प्रेशर भी काफी रहता है। प्रतिष्ठित स्टेडियम होने की वजह से लॉर्ड्स में फील्डरों के ऊपर अतिरिक्त दबाव रहता है। यहां होने वाले मैचों पर फैन्स की विशेष नजर बनी रहती है। इससे प्लेयर्स के ऊपर मानसिक प्रेशर भी बनता है और इसका असर फील्डिंग के ऊपर पड़ता है।

डीयू में सिलेबस को लेकर विवाद! पीजी कोर्स के राजनीति-इतिहास में हो सकते हैं बदलाव, ड्राप होंगे कौन से टॉपिक्स?

(जीएनएस)।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एक बार फिर अपने कोर्स में बदलाव को लेकर विवादों के घेरे में आ गई है। पिछले कुछ वर्षों में डीयू की अकादमिक नीतियों को लेकर उठे सवालों की फेहरिस्त में अब एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। इस बार निशाने पर हैं राजनीति विज्ञान और इतिहास जैसे विषय, जिनके कुछ चैप्टर को हटाने की सिफारिश की गई है।

हटाए जाने वाले विषयों में हिंदू राष्ट्रवाद, आदिवासी आंदोलनों, इस्लाम के सामाजिक विस्तार और दक्षिणपंथी विचारधाराओं से जुड़े कंटेंट शामिल हैं। यूनिवर्सिटी का कहना है कि ये टॉपिक्स संवेदनशील हैं और छात्रों के बीच वैचारिक टकराव का कारण बन सकते हैं। लेकिन इस फैसले ने शिक्षकों और छात्रों के बीच बहस छेड़ दी है - क्या यह शिक्षण में हस्तक्षेप है या फिर एक शांति कायम रखने वाला कदम?

राजनीति विज्ञान और इतिहास के सिलेबस में बदलाव की तैयारी

दिल्ली यूनिवर्सिटी एक बार फिर अपने पाठ्यक्रम बदलाव को लेकर चर्चा में है। इस बार यूनिवर्सिटी के पोस्ट ग्रेजुएट (PG) स्तर के कोर्स में

कुछ अहम चैप्टर हटाने की सिफारिश की गई है। स्टैंडिंग कमेटी ने उन टॉपिक्स को हटाने की बात कही है जो धार्मिक या राजनीतिक रूप से संवेदनशील माने जा रहे हैं।

कौन-कौन से चैप्टर हटाए जा सकते हैं?

राजनीति विज्ञान विषय से जिन टॉपिक्स को हटाने की सिफारिश की गई है, उनमें शामिल हैं:

हिंदू राष्ट्रवाद से जुड़ी विचारधारा पर आधारित किताब

नर्मदा आंदोलन और आदिवासी मुद्दों पर केंद्रित

आदिवासियों के कथित 'हिंदूकरण' की बात की गई है

इसमें दक्षिणपंथ और गांधी-सावरकर जैसे नेताओं के विचारों का विश्लेषण है

इतिहास विषय में जिन चैप्टरों को हटाने की बात हो रही है, वे हैं:

विजयनगर में इस्लामी प्रभाव को दर्शाता है

बंगाल में इस्लाम के फैलाव की सामाजिक और आर्थिक कहानी बताता है

पहले भी हटाए गए थे कुछ टॉपिक्स

यह पहला मौका नहीं है जब डीयू ने कोर्स से विवादित माने जा रहे विषयों को हटाया हो। जून 2025 में 'ग्लोबल पॉलिटिक्स' सब्जेक्ट से पाकिस्तान, चीन और इस्लाम से जुड़ा पूरा पेपर सिलेबस से हटा दिया गया था। उस समय भी प्रशासन का कहना था कि ये विषय छात्रों में वैचारिक मतभेद पैदा कर सकते हैं।

क्या कहता है यूनिवर्सिटी प्रशासन?

यूनिवर्सिटी के कोर्स रिव्यू पैनल का कहना है कि कुछ विषय इतने संवेदनशील हैं कि क्लासरूम में उनके कारण विवाद या तनाव हो सकता है। ऐसे में शैक्षणिक माहौल शांतिपूर्ण और सकारात्मक बनाए रखने के लिए यह फैसला जरूरी है।

अध्यापकों और छात्रों का अलग नजरिया

यूनिवर्सिटी के इस कदम को लेकर शिक्षा जगत में दो तरह की राय सामने आई है। कुछ प्रोफेसर मानते हैं कि इस तरह की कटौती अकादमिक स्वतंत्रता को कमजोर करती है। वहीं, कुछ शिक्षकों और छात्रों का कहना है कि ऐसे विषयों से बचना ही बेहतर है ताकि पढ़ाई का माहौल सुरक्षित और शांत बना रहे।

अभी नहीं हुआ अंतिम फैसला

हालांकि, ये सिफारिशें अभी शुरूआती चरण में हैं। अंतिम निर्णय यूनिवर्सिटी की अगली बैठक में लिया जाएगा। तब तक छात्रों और फैकल्टी की नजरें इस फैसले पर टिकी रहेंगी।

अब नहीं होंगे अहमदाबाद क्रैश जैसे हादसे! चीन ने बनाया एक्सीडेंट रोकने वाला रन-वे

(जीएनएस)।

चीनी वैज्ञानिकों ने एक खास रनवे विकसित किया है, जिसे इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान विमानों को धीमा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पर "मार्शमैलो" कंक्रीट लगाई जाएगी। "मार्शमैलो" के नाम से मशहूर, यह अल्ट्रा-लाइट फोम विमान के प्रभाव पर एक नरम कुशन की तरह टूटकर उसकी दबाव को सोख लेती है।

किसने बनाया ये कंक्रीट?

यह कंक्रीट चाइना बिल्डिंग मैटेरियल्स एकेडमी (CBMA) द्वारा चाइना एकेडमी ऑफ सिविल एविएशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी और बीजिंग में एकेडमी से संबद्ध एक तकनीकी कंपनी के साथ साझेदारी में विकसित की गई है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेली के मुताबिक, इसके लिए चाइना बिल्डिंग मैटेरियल्स फेडरेशन से पुरस्कार भी मिल चुका है।

इस सामग्री को जो खास बनाता है, वह है इसका बेहद कम घनत्व - केवल 200 किलोग्राम प्रति घन मीटर (12.5 lb/ft³)। यह मानक कंक्रीट के वजन का लगभग दसवां हिस्सा है। ठोस दिखने के बावजूद, इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि जब इस पर प्रहार किया जाए तो यह नियंत्रित तरीके से टूट जाए, जिससे 100 टन तक के विमान भी धीमे हो जाएं। उइटअ के अनुसंधान और विकास इंजीनियर फेंग जून ने बताया, "यह ठोस दिखता है, लेकिन प्रभाव पड़ने पर टूट जाता है, जिससे विमान धीमे हो जाते हैं और एक्सीडेंट की संभावना कम हो जाती है।"

दुनिया को मिलेगा सुरक्षित विकल्प

टेकऑफ और लैंडिंग एक उड़ान के दौरान सबसे महत्वपूर्ण समय होते हैं। विमान दुर्घटनाएं अक्सर इन्हीं चरणों में होती हैं, इसलिए एक विश्वसनीय बैकअप सुरक्षा प्रणाली होना महत्वपूर्ण है। रनवे के अंत में दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) सभी हवाई अड्डों को वास्तविक रनवे से कम से कम 90 मीटर (295 फीट) आगे तक रनवे एंड सेफ्टी एरिया (RESAs) रखने की आवश्यकता है।

चीन में 14 हवाई अड्डों पर हो रहा इस्तेमाल

अब तक, नई "मार्शमैलो" कंक्रीट प्रणाली चीन भर के 14 हवाई अड्डों पर इस्तेमाल में लाई गई है। टीम के अनुसार, XizÔ»»fg (तिब्बत) के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में Nyi»»fgchi में एक हवाई अड्डे पर इसके लंब और शानदार नतीजे मिले। पूरे एक साल में, सामग्री के प्रदर्शन में केवल 3 प्रतिशत का उतार-चढ़ाव आया, जो डिजाइन चरण के दौरान निर्धारित 10 प्रतिशत की सीमा से काफी नीचे है। यह कंक्रीट दुनिया भर में हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए एक नया मानक स्थापित कर सकती है। कम लागत, पर्यावरण के अनुकूल और जीवन रक्षक प्रदर्शन के साथ है। "मार्शमैलो" कंक्रीट जल्द ही चीन से परे हवाई अड्डों पर एक आम बात बन सकती है।